महत्त्वपूर्ण सूचना *****

एअर इंडिया के विभिन्न विमानों में ऑक्सीजन के अतिरिक्त सिलैंडर्स

विमान	ऑक्सीजन की कुल उपलब्ध बोतलें	न्यूनतम इक्विपमेंट सूची	यात्रियों के लिए उपलब्ध	उड़ान में अतिरिक्त बोतलों की अनुमति
बोइंग 747 200	22+2 (कॉकपिट में)	16+1 (कॉकपिट में)	7	शून्य
बोइंग 747-300	18+2 (कॉकपिट में)	12+1 (कॉकपिट में)	7	4
बोइंग 747 400	23+1 (कॉकपिट में)	17+1 (कॉकपिट में)	6	6
एयरबस ए 310	12+1 (कॉकपिट में)	7+1 (कॉकपिट में)	5	शून्य

- 300 लीटर की ऑक्सीजन बोतल
- ऑक्सीजन बोतल का दबाव 1800 psi
- बोतल के ऑपरेशन के लिए अपेक्षित न्यूनतम दबाव 50 psi
- सामान्यत: ऑक्सीजन बोतलें बेस स्टेशन पर लोड की जाती हैं।
- यात्री कॉकपिट एमईआई में ऑक्सीजन बोतल का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

उड़ान में ऑक्सीजन की बोतल/सिलेंडर की क्षमता 300 ली. होती है। इस प्रकार, एक सिलेंडर क्रमश: 4 अथवा 2 लीटर/मिनट की दर पर 75 अथवा 150 मिनट में खत्म होगा। गणना करते समय विलंब व उड़ान के मार्ग में परिवर्तन की स्थिति को ध्यान में रखते हुए 25 प्रतिशत ऑक्सीजन और रखी जाए। यदि इससे विमान में वहन की जाने वाली ऑक्सीजन अधिक हो जाती है तो आवश्यकता को विभाजित कर लें तथा बीच में पड़ने वाले स्टेशन से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के लिए कहें। उदाहरण के लिए न्यूयार्क से अहमदाबाद की यात्रा कर रहे यात्री हेतु लंदन तथा दिल्ली में ऑक्सीजन भराई की

आवश्यकता हो सकती है। आवश्यकता को स्पष्ट रूप से टेलेक्स पर दर्शाए तथा संबंधित स्टेशन को सूचित करें।

विमान में इलैक्ट्रो मेडिकल इक्विपमेंट वहन करने की सीमाएं

किसी भी ऐसे अशक्त यात्री को क्लियर करने से पहले जिसे उड़ान में कुछ मेडिकल इक्विपमेंट की आवश्यकता होती है, इंजीनियरी विभाग के गुणवत्ता नियंत्रण तथा तकनीकी सेवाएं प्रभाग, सांताक्रूज़ से परामर्श तथा क्लीयरेंस अवश्य लिया जाना चाहिए। इंजीनियरीवार, मेडिकल इक्विपमेंट नॉन स्पिलेबल बैटरी से चालित न हो तथा विमान की पावर सप्लाई पर निर्भर न करता हो। इसके अतिरिक्त, इक्विपमेंट का उपयोग उड़ान के संवेदनशील चरणों जैसे टेक ऑफ तथा लैंडिंग के समय नहीं किया जाना चाहिए ताकि विमान कम्यूनिकेशन तथा नेवीगेशन इक्विपमेंट के साथ इलैक्ट्रा मैगनेटिक बाधा से बचा जा सके। क्यूसी एंड टीएस ने हमें यह भी सूचित किया है कि उनसे क्लीयरेंस मिल जाने के बाद भी यात्री से क्षतिपूर्ति पत्र लिया जा सकता है। यह भी सूचित किया जाता है कि केबिन कर्मियों को इलैक्ट्रो मेडिकल इक्विपमेंट भली भांति उपयोग करना आता हो। यह भी उल्लेखनीय है कि जब ऐसे इक्विपमेंट के लिए अनुमति दी जाती है तो यात्री प्रतिनिधि द्वारा प्रशिक्षित व क्वालीफाइड मेडिकल कर्मी की सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। मेडिकल उपकरण को विमान में इनस्टॉल करने में इंजीनियरी विभाग की सहायता ली जा सकती है।

यूके के लिए यात्रा कर रहे स्ट्रेचर केस हेतु अनिवार्य अपेक्षाएं

इलाज के लिए यूके पहुंच रहे स्ट्रेचर के सभी मामलों हेतु एयरपोर्ट प्रबंधक, एअर इंडिया, यूके को एडवांस में टैलेक्स द्वारा निम्नलिखित सूचना दी जानी चाहिए, ऐसा न किए जाने पर विमान से उतरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

i. बीमारी का प्रकार
ii. मरीज को क्वीनस् मेडिकल सेंटर से अस्पताल में अंतरित करने के लिए एडवांस में एम्ब्यूलेंस की व्यवस्था की जानी चाहिए। एम्ब्यूलेंस की उपलब्धता की पुष्टि कर लें तथा एडवांस में बुक कर लें।

iii. यूके के अस्पताल का नाम जहां मरीज को भर्ती किया जाना है।

iv. क्वीनस् मेडिकल सेंटर के लिए यूके में संपर्क/स्पॉन्सर/संबंधियों का नाम व टेलीफोन नं. क्योंकि मरीज को अंतरित करने में होने वाले व्यय की देयता की जिम्मेदारी उन्ह पर होगी।